प्रेस–विज्ञप्ति

3 अक्टूबर, 2021

दिनांक 3 अक्टूबर, 2021 को मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश एवं भारतीय शिक्षण मण्डल के सयुंक्त तत्वावधान में भारतीय स्वतंन्त्रता के अमृत महोत्सव एवं पं0 दीन दयाल उपाध्याय जयन्ती सप्ताह के उपलक्ष्य में डा0श्याम बाबू जी गुप्त की पुस्तक "एकात्म मानव दर्शन" के अंग्रेजी अनुवाद भपदजमहतंस भ्नउंदपेउ" का विमोचन एवं व्याख्यान का आयोजन सर पद्मपत सिंहानियॉ सभागार (मचेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश) सिविल लाइन्स, कानपुर में दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री अतुल कानोडिया ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

मुख्य अतिथि डा0 अभय करन्दोकर, निदेशक, आई आई टी, कानपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि पं0 दीन दयाल उपध्याय जी ने रा"ट्रभक्ति जिस संस्कृति में समाहित है वह रा"ट्र की पहचान बताती है कि हम किस रा"ट्र के है। उन्होने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने भारत को आत्म निर्भर का जो सपना एवं संकल्प लिया है उससे अवश्य ही हमारे रा"ट को पूरी दुनिया में एक ख्याति प्राप्त होगी, जिससे हमारे रा"ट को गौरव प्राप्त होगा। हम सबको आगे बढ़ने के लिये हर हाल में आत्मनिर्भर बनने का सूत्र अपनाना होगा।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थिति अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ मा0 श्री अनिल ओक ने अपने मार्ग दर्शन में कहा कि आत्मीयता ही महान है जो एक आत्मा में विराजमान रहती है जिसमें सदैव अपना विकास और दूसरे के विकास के साथ रा"ट का विकास होता है।

पुस्तक एकात्म मानव दर्शन के लेखक डा0श्याम बाबू गुप्त ने पं0 दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन के सन्दर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय एक महान अर्थशास्त्री, योगा, राजनैतिक स्तम्भ व कुशल लेखक थे उन्होंने एकात्म मानव दर्शन के बारे में जो लिखा है उसकी परिकल्पना भी बहुत मुश्किल है। उन्होनें पूर्ण मानव के बारे में बताया जिसमें बुद्धि, ज्ञान, सम्मान और विवेककारी है। वह अवश्य ही रा"ट के निर्माण में बुद्धिजीवी होगा। आत्मा के अन्दर ही परमात्मा है उन्होंने बताया कि जिस तरह मानव का निर्माण है ठीक उसी तरह रा"ट का निर्माण है हम अपने मानव 'रीर निर्माण को रा"ट निर्माण के रूप में यदि देखेंगे तो 'रीर की देखभाल की तरह रा"ट की देखभाल कर सकते हैं।

पुस्तक की अंग्रेजी अनुवादक डा0(श्रीमती) एन0एम0निगम ने पुस्तक की संक्षिप्त रूपरेखा व उद्देश्य स्प"ट करते हुए कहा कि पं0 दीनदयाल जी ने सदैव समग्र विकास का सपना अपने जीवन में उतार रखा था वही सपना उन्होंने एकात्म मानव पुस्तक में रा"ट की संरचना के रूप में मूलभूत बताया है। पं0 दीनदयाल की धारणा सदैव रा"ट के निर्माण में रहतो थी वह सदैव आत्म निर्भर व स्वदेशी हर वस्तु के पक्षधर थे।

मर्चेन्ट्स चेम्बर के वरि"ठ सदस्य एवं प्रसिद्व उद्योगपति श्री आर0के0 लोहिया जी ने एकात्म मानव दर्शन पुस्तक के सम्बन्ध में संक्षेप में जानकारी देते हुए कहा कि संक्षेप में कहना चाहता हूँ कि 'साई इतना दीजिये,जामें कुटुम समाये.....' इस परिभा"ाा को देख करके हमें अपना और समाज का निर्माण करना होगा। यदि हम उत्तरी यूरोप में जायें तो वहाँ से हमको सीख मिल सकती है कि पं0 दीनदयाल जी ने एकात्म मानव दर्शन में जो दर्शाया है वह निश्चित ही सत्य है। उन्होंने विदेशी निवेश के बारे में बताया कि वह एक दासी के रूप में हमारे यहाँ आनी चाहिये न कि स्वामी के रूप में।

प्रसिद्व उद्योगपति श्री पवन अग्रवाल ने सभी आगन्तुक महानुभावों के प्रति हार्दिक धन्यवाद दिया। ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कालेज, जवाहर नगर, कानपुर की प्रबन्ध निदेशक श्रीमती पूजा अवस्थी जी ने अतिथियों का परिचय कराया एवं भारतीय शिक्षण मण्डल के प्रान्तीय मंत्री डा0 गिरीश कुमार मिश्रा ने कार्यकम का संचालन किया । स्वरांजलि संगीत शिक्षण संस्थान की प्रधानाचार्या श्रीमती कविता सिंह ने "धरती की 'ाान तू है, मनु की संतान तू है....." प्रेरणाप्रदगीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। जी0एन0के0 विद्या मंदिर की श्रीमती अंजू मेहरोत्रा ने वंदेमातरम का गान किया। इस अवसर पर मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश के डॉ0 जगन्नाथ गुप्ता, श्री विजय पण्डित, डॉ0 अवध दुबे, जी0एस0 निगम, सचिव–एम0एन0 मोदी, डॉ0 अंगद सिंह आदि उपस्थिति रहे।

कुपया उपरोक्त प्रेस–विज्ञप्ति को अपने प्रति"ठत समाचार मत्र में प्रमुखता से प्रकाशित करने की कृपा करें।